जहां तक बाहर के दफतरों का सवाल है और उन के खर्चे के बारे में आप ने आशंका प्रकट की है, इस्टाबिलिशमेंट पर ही यह सब खर्चा नहीं है लेकिन इस साल यह निर्धारित किया गया है कि विदेशों में जितने भी हमारे दफतर हैं, उन के निर्यात के टार्गेट रखे गये हैं और केवल दफतरों के ही नहीं बल्कि आफीसरों के लिए भी टार्गेट रखे गये हैं और अलग-अलग डिवीजन के भी टार्गेट रखे गये हैं और उन सब का मूल्यांकन होगा। हर दफतर के अगर आप विदेशों के आंकड़ें चाहें, कि कितने टार्गेट्स हमने रखे हैं, तो वे आंकड़े मैं आप को दे सकता हूं।

श्री राम विलास पासवान : इस्टाविलिशमेंट पर कितना खर्च है, यह बताइए। ...(**व्यवधान**)...

श्री मोती भाई आर. चौधरी : विदेशों में पर्मानेंट आफिस खोलने की जाए, अगर कार्य के आधार पर, जिस समय जितनी जरूरत हो उस समय के लिए अगर आफिस खोले जाए, तो मैं समझता हूं कि इस में खर्च कम हो सकता है।

मेरा दूसरा सवाल यह है कि एस. टी. सी. का जो रवैया है, वह भेदभावपूर्ण रवैया है। एक स्टेट का माल खरीद लिया जाता है और दूसरी स्टेट का नहीं खरीदा जाता। हमारे यहां गुजरात में विरजीनिया का तम्बाकू नहीं खरीदा गया। जबकि आन्ध्र प्रदेश का तम्बाकू खरीद लिया गया कामर्स मिनिस्ट्री ने दो-दो बार आर्डर किया है, फिर भी कुछ नहीं होता है। उसी प्रकार का तम्बाकू हमारे गुजरात के किसानों का था। तो किस ढंग से यह एस. टी. सी. का रवैया चल रहा है। मैं माननीय मंत्री जी से कहूंगा कि वे जल्दी से जल्दी किसानों का जो माल पड़ा हुआ है, उस को खरीदें। इतना तो इन को करना ही चाहिए।

श्री विश्वनाथ प्रताप सिंह : विदेश व्यापार की बढ़ोतरी हम इस प्रकार नहीं कर सकते कि एक दफतर आज हम खोलें और फ़िर उस के कुछ दिन बाद उस को बन्द कर दें। हम को एक स्थाई संबंध बनाना पड़ता है, स्थाई सम्पर्क बनाना पड़ता है और उस के लिए जहां पर बड़े व्यापार के केन्द्र होते हैं, वहां पर स्थाई रुप से एक आफिस रखना होता है।

अब जहां तक गुजरात से तम्बाकू खरीदने की बात थी, उस सम्बन्ध में यह निर्धारित किया गया है कि आन्ध्र के अन्दर जो खरीद होगी, वह जो हमारे फारमर्स हैं, हमारे जो किसान हैं, उन के तम्बाकू की होगी। गुजरात का जो तम्बाकू आन्ध्र गया था, उस में सर्टीफिकेशन की जरूरत थी। वे फारमर्स हैं, इस के बारे में गुजरात गवर्नमेंट ने तो सर्टीफाई किया था लेकिन टोबाकू बोर्ड का अभी सर्टीफिकेशन नहीं आया है।

WRITTEN ANSWERS TO QUESTIONS

Export of Fish from Orissa

*61. SHRI RASA BEHARI BEHERA : Will the Minister of COMMERCE be pleased to state:

(a) whether Orissa is exporting fish ; and

(b) if so, the names of the countries to which fish is exported ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF COMMERCE (SHRIMATI RAM DULARI SINHA) : (a) Yes, Sir.

(b) Marine products exported (from Orissa) from Paradeep Port are mainly to Japan.